विवाह गीत

1

एने बड़ गांवे केऊ नहीं
सभा बैसय, सभा बैसय
मलेवा का तेल में रही गेला,
रही गेला – 2
ऐते बड़ गांवे कऊ नहीं, सभा बैसय
सभा बैसय
कीया का सिंदुर कीया
में रही गेला , रही गेला – 2

2

केकर अंगेना में लाली पियारी
झंडा हरियार मड़ेवा
केकर अंगेना में बैसे कछैरी
केकर अंगेना में जैसे दरबार
बैसे कछैरी।
बाबा का अंगेना में लाली
पियारी झंडा हरियार मड़ेवा
बाबा का अंगेना में बैसे कछैरी
बाबा का अंगेना में बैसे दरबार
बैसे दरबार, कछैरी

3

जाता रे जाता घुमरै
धीरे – धीरे जाता घुमरै
रासे – रासे जाता घुमरै, हैरे।
बैनी गे फलनी बैनी
धीरे– धीरे लोरा ढरकै
नने – नाने ढरकै, हैंरे ।
बाबू रे फलना बाबू
अंगौछा से लोरा पोछै
गमेछा से लोरा पौंछे, हैरे ।

4

झरिया झरिया के मुरली बाजै
के बांसैर ठौकै – 2
बाबू रे नमका रैया
हार जीते गेलैं,
से मुरली बाजै से मुरली ठोकैं
बैनी र नमकी बैनी
पानी लाने गलैं, से सुनी – सुनी लोर पानी
कांसे , लोर पानी ढरकै।

5

के गांथलै खिजुर केर, खिजुर केर पटिया – 2

नमकी बहिन गांथलै, खिजुर केर पटिया – 2

के बैसालैं खिजुर केर खिजुर केर पटिया

नमका भैया बैसालैं खिजुर केर

खिजुर केर पटिया – 2

6

नदिया का हिरे – तिरे
नदिया का हिरे तिरे,
नान बिरिनीक फूला (हो)2
बाबू रे नमका रइया , बाबू रे नमका रइया
नान बिरिनीक फूला हो – 2
बैनी गे नमकी बैनी , बैनी गे नमकी बैनी
नन बिरिनीक फूल (हो) – 2

7

छोटे मोटे तेतइर , तेतइर गे आयो
बड़ सुन्दर फूल फूले,
बड़ सुन्दर फुला कहां पइबे धानी राम – 2
बाबू रे नमका बाबू ससिरैर जाबे
ढाल तरूइवर मांगे
ढाल तरूइवर कहां पइबे धानी राम – 2
ब्इनी गे नमकी बइनी , नहियर जाबे,
हीरा मोहोर मांगे,
हीरा मोहोर कहां पइबे धानी राम –2

8

सुरगुजा शहरे सालो रे मैना,
एको जोरी मैना, दुओ जोरी रे परेवां – 2
का में किनब आयो , का में बेचब रे
एको जोरी रे मैना , दुओ जोरी रे परेवां – 2
अन में किनब अयो
धन में बेचब रे
एको जोरी रे मैना
छुओ जोरी रे परेवां – 2
सेना में किनब आयो , रूपा में बेचब रे
एको जोरी रे मेना, दुओ जोरी रे परेवां – 2

9

एक अंबा रोपले आयो , सयो अंबा रे
एक अंबा रोपले बाबा, सयो अंबा हो
से अंबा लगी गेलै बारो बगैचा हो हंसा जोरिया
से अंबा लगी गेलैं तेरो बगैचा,
हो पेरवां जोरिया।
एक बेटा जनामले आयो सयो बेटा रे
एक बेटा जनामले बाबा , सयो बेटा रे
से बेटा दुनिया सम्हारै , हंसा जोरिय,
से बेटा राजी सम्हारै हा परेवां जोरिया
एक बेटी जनामले आयो,
सयो बेटी रे – 2
से बेटा घर सम्हारै हो हंसा जोरिया
से बेटी कुटुमा सम्हारै हो परेवां जोरी ।

10

ऊंच पहार , नीच पहार
पत दिसे हरियारा
सयो पात लगी गेलैं अगिया
हैंरे मोर निंदावा हैंरे मोर जगावा। – 2

टाटी उधैर उधैर बेनेवा चटकी गेला
छोटोकी ननदिया के लेई गेलैं चोरोवा
हैंरे मोर निंदावा , हैंरे मो जगावा। – 2

कार्य करते समय गाये जाने वाले गीत

बरसात आते ही धान लगाने के लि खेतों को जोत कर तैयार किया जाता है बीड़ा भी तैयार रहता है। रोपा रोपते समय काम की एकरसता का तोड़ने और मन को भुलावा देने के लिए गांव की आदिवासी महिलाएं रोपा राग में गाना गाती हैं। यह राग सावन – भादो में गाया जाता है।

1

सोनेसन बरेदा रूपेसन हार
जीतू से हार मने चिते जोतै,
लसलसा बिड़ा ,दही लेखे कादो रोपू से रोपोजी मने चिते रोपै।

2

रोपे के तो रोपलों सिकी सारी धान
एसों का बरिखा बड़ा दगा दियाय

सवन भादो धुरी उड़ी गेला
एसों का बरिखा बड़ा दगा दियाय

3

क्हां गेले हो घर केरा घरनी
ल्नी देबे हो लोटा का पानी
पनी लेहे गेले हो
घर केर घरनी
लनी देबे हो लोटा का पानी ।

4

बरिसो रे पानी
क्री बदरिया – 2
बरिसो रे पानी
कोने मना कारै – 2
मनेवा का लोरा पानी
ढरकै बरिसों रे
पनी के मना कारै।

जंगल जाते समय

1

जेठ कर महीना
जंगल पोड़ी गेला
साबे चरई अयो
जंगल छोड़ी गेला
असार का महीना जंगल पलहाई गेला
साबे चरई आयो जंगल सोहान करै – 2

2

भौंरो पहारे , आयो भौंरो पहारे रे
भौरों पहारे भंवर गिदकै (हो) – 2
पूजा न करू, बैगा कारी न पाठी रे,
भौंरो पहारे भंवर गिदकै (हो) – 2

मछली मारते समय का गाना

झरिया झरिया गे आयो

छिछल मछरी बझल मछरी – 2
कहां पइबे गे आयो
छिछल मछरी बझल मछरी
न मोके खेत आयो
न मोके कियारी
कहां पइवे गे आयो
छिछल मछरी , बझल मछरी – 2
नाचू कीन दे गे आयो
छिछल मछरी , बझल बछरी।

बारी में काम करते समय का गाना

कति खने फूले
हरदी रे झिंगी फूल
कइत खने फूले
राता कमल फूल
हो घेरे राता कमल फूल – 2
आधी राती फूले
हरदी रे झिंगी फूल
कइत खाने फूले
राती कमल फूल – 2
सेमी जे फूलै रूनू रे झूनू
डुबारी फूलै डका डोरे – 2

शिकार खेलते समय का गाना

काहे रे पांचो भइया
काहे रे तीरा चलै देला
हरिना चली गेला,
काहे रे तीरा चलै देला

पहार उपर खेती करले,
मचा उपर कुंबा घेरले
भले जुग जिताले हरिना
म्नोवा के हरि गुन वाले हो

धार्मिक गाना

लिपी दो लिपी ओड़ा पाड़ी – 2
धरमेस ही ओहेमन पाड़ी – 2
किच्या ती चोचा मैंया डंडीन पाड़ी – 2

धरमेस ही ओहेमन पाड़ी – 2
भावार्थ – दो छोटी – छोटी चिड़िया गाना गा रही है और भगवान की महिमा का बखान कर रही है। गाना गाते – गाते नीचे की डाल से उड़कर ऊपर की डाली में बैठकर फिर से ईश्वर की महिमा गा रही है।)

2

मेरिया पहारे, मोरिया पहारे
अभिराम बेटा के बलिदान करले – 2
इसिवर के हुकुम सुनी इसिवर केन वचन सुनी
अभिराम बेटा के बलिदान करले – 2
आगे – आगे बाप चले
सेकर पीछे बेटा चले
चले लागल , चले लागल
मोरिया पहारे
बाप धरे आइग छुरी , बेटा धरे लकड़ी
चले लागल मोरिया पहारे
पखेना के जमा कइर बेदी बनाले
अभिराम बेटा के बलिदान करले – 2

प्रेमगीत

1

मैना रे मैना
सलो मैना
चल मैना जाब रे
रैनी को डांडे – 2
राजा रानी हाथी घोड़ा सरपय
हम कैसे जाब रे
रैनी को डांडे (रे) – 2

आयो , बाबा , मौसा, मौसी सपरय
हम कैसे .....
काका , काकी भाई बहिन सपरय
हम कैसे .....
रैनी .....

2

कोयलो कोयलो हांक दे,
कोयलो कहां गेल?
कोयलो कहां गेल

कोयलो , कोयलो गोई
अंबा तरे भलैं भिनुसार – 2
बारहो महिना कोयलो
भूली चली आले
भूली चली आले
कोयलो कोयलो गोई
अंबा तरे भलै भिनुसार – 2

3

पानी पिये गेले मैना
नाला पानी , नाला पानी – 2
कलिंगा तोरे मैना
हिलो रे डोलो
हिलो रे डोलो – 2
न तोर पांइख दिसे
न तोर ठांर दिसे मैना – 2
कलिंगा तोरे मैना
हिलो रे डोलो
हिलो – डोलो – 2

4

जोड़ी रे रसिका मति जाबे परदेश
गुया रे मांइर जाबे भूखे
रे पियास – 2

दाह का पानी पिले
महुआ का रस पिले
गुया रे धीरे – धीरे
चढ़ले पहार

5

चलू देखे जाब ,
रेल गाड़ी कैसन
सुन्दर गोई
चलू देखे जाब
हेंठे तो लोहा सुती
उपारे तो आइगा पानी
चले लगल बदागे समान गोई
चलू देखे जाब ....

6

केकर मैना, [illegible] दुलाइर रे मैना,
केकर मैना , [illegible] सिंगाइर रे मैना
चइल जाबे मैना
डोयसाना घर रे मैना
चइल जाबे रे मैना
कोसोलेन घर रे मैना
डोयसाना घरे [illegible]बा दुलाइर रे मैना।

7

कोन बनो [illegible] रे चांदो
कोन बने डूबल रे चांदो
एसों का दिन रे चांदो
दिना रा दिन [illegible]इल गेल।

8

टोंगरी [illegible] [illegible] [illegible]रे
लदेना बरदा [illegible] गेला
गे आरा – 2
हंका [illegible] रे [illegible]परिया,
दुंदुवा हंकद..
रली रनकते [illegible]
गे आरा – 2

9

पनी में पाइ[illegible] [illegible]वा
झरोखा में प[illegible] – 2
बन [illegible] झाइ[illegible] [illegible]जुरा
किनारे में [illegible] गुंडरी
खोखो[illegible] में [illegible] राजा
लिपी [illegible]रई [illegible]लिपै
टपर [illegible]पर [illegible]गो
सय [illegible] [illegible]
नाचे [illegible] – 2

10

गुंडो[illegible] [illegible] [illegible]ना
ढिचवा [illegible]प [illegible]ब्र
ढिचवा [illegible] [illegible]ब्र हैंरे
ढिचवा [illegible] [illegible]ोटवार
मिंजुरा जो [illegible] लैं
अठो [illegible] [illegible]ना

किकुर ो न ा सिंदुर
दुंदु देखा पेथा राजा
जुता गोना कहरी बैसय

स्वरचित कविता
दर्पण

जीवन के तुफानों में,
जिन्दगी के सुनसान रास्ते पे,
अकेली खड़ी हूँ।
चाहूं तो सुनसान रास्ते ,
मिटा दूं पल भर में
देकर एक छोटी मुस्कान
तुम भी जरा मुस्कुरा दो न।
अकेले मन का साथी
एक ...
मेरे घर पर
जिसमें मैं और मेरा
अकेल ... र बातें
करते
एक ... है साथ में
जो संग संग रहता है,
और ... का अनुभव
करता
एक ... है पास मेरे
जिसमें ... है अनेक कविताएं
जो मे ... के सच्चे साथी हैं
एक ... तस्वीर है जेहन में मेरे
बीते ... याद दिलाती है
कभी ... कभी रूलाती
कभी ... ती नये – नये
एक ... संग मेरे
जिस... है अकेलापन
जो ... सुन्दर खुशियों की तस्वीर ।

कुडुख भाषा के वर्णमाला : –

इ	ए	उ	ओ	अ	आ
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

• लम्बी ध्वनि, • नासिक स्वर

। शब्दखण्ड , । विकारी

व्यंजन

ख	ग	घ	ङ·
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
छ	ज	झ	ञ
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
ठ	ड	ढ	ण
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
थ	द	ध	न
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
फ	ब	भ	म
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

र	ल	व	श
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
ह	ख	ड़	ढ़
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

कुँड़ुख गिनती

नोदि	0	11	दोय ओंद	11
ओंद	1	12	दोय एँःड़	[illegible]
एँःड़	[illegible]	13	दोय मून्द	[illegible]
मून्द	[illegible]	14	दोय नारव	[illegible]
नारव	[illegible]	15	दोय पंचे	[illegible]
पंचे	[illegible]	16	दोय सोय	[illegible]
सोय	[illegible]	17	दोय सय	[illegible]
सय	[illegible]	18	दोय आरव़	[illegible]
आरव़	[illegible]	19	दोय नय	[illegible]
नय	[illegible]	20	एन्दोय	[illegible]
दोय	10			

आदिवासी लोक परम्परा

आदि[illegible] संस्कृति के नाम पर बड़ा गर्व करते हैं । अपने बीच होने वाले रीति रिवाज को [illegible] निभाते हैं। आदिवासी लोग कहते हैं कि हड़िया पीना या पिलाना हमारी परम्प[illegible] कितना पीना है इसकी कोई सीमा निर्धारण नहीं है।

इसी प्र[illegible] - विवाह में भी अलग गोत्र में शादी करना रिवाज है। आदिवासी प्रातः अपने गोत्र [illegible] संबंधियों के साथ विवाह आदि को नियम विरूद्ध बताते हैं। गोत्र का संबंध कि[illegible] संबंधित नहीं है। उरांव, मुण्डा खड़िया आदि आदिवासी अपने कुल या गोत्र [illegible] विवाह का संबंध जोड़ते हैं। इन जातियों में सदियों से एक गोत्र में विवाह नहीं [illegible] रही है। यहां हम उरांव आदिवासियों के गोत्र के बारे में जानेंगे। चूंकि आदिव[illegible] होते हैं। इसलिए ये अपने गोत्र में पशु – पक्षियों, पेड़ – पौधों तथा विभिन्[illegible] वस्तुओं के नाम को अपने साथ जोड़ना अधिक पसन्द करते हैं।

क्र.	[illegible]	अर्थ
1	[illegible]	एक प्रकार का [illegible]ता जिसके फूल एवं फल से तेल निकाला जाता है।
2	[illegible]	बट वृक्ष
3	[illegible]	मछली
4	[illegible]	संवल मछली
5	[illegible]	एक प्रकार की [illegible]ड़िया
6	[illegible]	शेर
7	[illegible]	कछुआ
8	[illegible]	नमक
9	[illegible]	धान
10	[illegible]	बन्दर
11	[illegible]	सफेद कौआ
12	[illegible]	जंगली कुत्ता
13	[illegible]	पित्त
14	[illegible]	लेहा
15	[illegible]	टिटिहारी – चि[illegible]या
16	[illegible]	एक प्रकार की [illegible]ड़िया

सभी [illegible] ऐतिहासिक मा[illegible] जाती है। इन सभी की अपनी कहानी है। आदिवासी अप[illegible]कर अपने जीवन [illegible] निर्वाहन करते हैं। वे धार्मिक ,सांस्कृतिक , संस्कार , नाम [illegible] अंतिम संस्कार [illegible] ही जाति, वर्ग , गोत्र ही दाह संस्कार या कब्रगार में गाड़[illegible] निभाते हैं।

आदि[illegible] गान विरासत में [illegible] है। यह हम आदिवासियों के जीवन का अभिन्न अंग है। [illegible]ह महीने होते हैं [illegible] जीविका के लिए खेती – बाड़ी भी बारहों महीने

होती है। उनसे संबंधित पर्व – त्योहार भी हमारे, मौसम के अनुसार आते रहते हैं। वैसे ही मौसम के अनुसार लोग मौसमी – राग गाते हैं। यह आदिवासियों के जीवन के विभिन्न पहलुओं को प्रतिबिंबित करता है। जो हमारी खुशी एवं दुःख को प्रकट करना है।

जीवन में व्यक्ति जब थक जाता है तो हज्कापन लाने के लिए इन्हीं गीतों का सहारा लेता है। और अपना मनोरंजन करता है। आदिवासी संस्कृति में नाच – गान करने के लिए एक साथ जोराना पड़ता है (पंक्तिबद्ध होना पड़ता है) और किसी की प्रतीक की प्ररिक्रमा करना होता है मांदर बजाने वालों की अपनी अलग विशेशता होती है नाच के कदमों को अभ्यास के द्वारा सीखा जा सकता है। गाने के साथ ताल – लय (स्टेप) भी बदला जाता है।

आदिवासी गीत

(1) हायरे हाय, हाई रे

भुती भला कति खन छुटी

निहुरी निहुरी डंडा टूटे रे,

भुती भला कति खन छुटी

1 मुर्गा केर बांग सुनी

ढेकी से चाउर कुटी – 2

चउर से अलग भैलें खुदी

फटाके फटाके हाथ दुखाय – 2

भुती .....

2 नभ परे बदरी छाये

बसूधा पर पानी आये – 2

कड़ाके बिजली जिया डरे,

झमर–झमर पानी बरसे , ला ल ला,

भुती.....

3 पानी बोथा, भात लेली

टोकरी में धाइर लेली – 2

रोपा खेते हेलेक चाइल गेली

निहुरी – निहुरी रोपा करै रे,

भुती.....

4 पटिया के डिसय देली

लेदेरा के ओढ़य देली – 2

छौआ के सुतय देली ओरे पारे हायरे,

बिलखी बिलखी छौवा कांदे रे,

भुती.....

(2) खेल लझैर लझैर रे

जवा रे गोहोय खेत रटपट करे,

सरेसों लोटनी खेले खेलब जदिरे हो

तोके भइयां कुहुर कटा मौर रे,

हायरे तिलिया डांडे हो

नगेरा निशान झंडा ठोकु रे छैला

गोरी तोर वीरास भेल हो

सुरगुजा अमल करू राजा

साठी तेलेंगा (जुइझ) जुइझ लेल हो

सीप साय राजा काटे करम डाइर

देवसाय राजा लुइट लेल हो

(3) कहे रे पांचो भइया,

कहे रे तीर चलाला जांला

हरिन तो चली गेला

काहे रे तीर चलाला जांला

कहे रे रसन साहेब

घोड़ा का रकम गिराला जांला

घोड़ा तोरा चली गेला

घोड़ा का रकम गिराला जांला।

(4) डमकच

अंबा पतई लंबा –लंबा , बार पतई चाकर – 2

कैसन घरे देलै आयो, मेछा दारही पाकल – 2

हाथ लुल्हा पेटेक कुबा

से हेके दीदीक दुल्हा – 2

मोंय तो जाबों आयो दीदी के बारात – 2

टोंगरी का तरे तरे बेल कांटा घने घन – 2

तेके छोड़ी कांटा गाड़े मोके मया लागे – 2

से कांटा हेरत हेरत बेरी जे डूबी गेल – 2

तोके छोड़ी कांटा गाड़े मोके मयां लागे – 2

इसेन सुन्दर धरती के, के तो बनावल हेरै – 2

धरम रूपे भगवान सयो तो बनावल – 2

धरती में मनेवा के के तो बनावल हेरै – 2

धरम रूपे भगवान सयो तो बनावल – 2

का लगीन खेले आली का लगीन बैठ देली – 2

का लगीन सोना मन रे कुम्हलावल – 2

रीझ लगीन खेले आली, संग लगीन बैठ देली – 2

जोरी लगीन सोना मन रे पछतावल – 2

पहारे का तरे तरे छेगरी मोंय चरालो – 2

छोटे एकन बुदा तरे पठारू राय गेल – 2

साइज देगे आयो मोरा नोन टीपा बासी भात – 2

मोंय तो जबों कि गे आयो पठारू खोजैर – 2

धान काटते समय का गाना

भइया रे भइया निसाना भइया

च्लाला भइया जुगिया संगे

आयो के छोड़ी, बाबा के छोड़ी

चलाला भइया जुगिया संगे।

(लोग धान काटकर खलिहान में मिसने के लिए जमा करने पर यह गान गाते हैं)

के भैया पांजा बोहे

लझिर लझिर पंजा बोहाला जांला

बबू भैया पांजा बोहे

लझिर लझिर पंजा बोहाला जांला

के भैया हंसा पोसे

हंसा में सोना भराला जांला

के भैया खोरी खेलै

सरागे धूरी उड़ाला जांला

बाबू भैया खोरी खेले

सरागे धूरी उड़ाला जांला।

खेल गीत

आज का रतिया केकर संगे खेलब गोई अंगेरा में,

हम जोड़ाला पीरितिया कहां गेलै – 2

हाथ ले ले लोटा पानी

बांध ल ले गमेछा नहाय गेलैं

हमर जोड़ाला पीरितिया नहाय गेलैं – 2

छोटे – छोटे केउंद बुदा तहां

बैसे रूनिया गोई सहाजोनी

चमकी चमकी तीरा चलैं गोई सहाजोनी – 2 हरै

तीरा जे चले लगैं पानी का बुंदा गोई

सहाजोनी – 2

बंदुक छुटलै अंधाधुंध गोई सहाजोनी – 2 हरै

उजाड. बन में हरियर सेरेसों – 2

चईर देलैं बन केर हरिना भला – 2

बिहाने तो देखली हरियर सेरसों – 2

सांझे तो चईर देलैं हरिना – (भला) 2

चरैया रे चरैया बन चरैया – 2

बैसल रे नीम बैसे पात न बैसे – 2

बैसल रे नीम का डारी (भला) – 2